Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज

मासिक समाचार पत्र

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मुंबई | अगस्त 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 09 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

हेरिटेज फर्नीचर की फिर हुई नीलामी ... पेज - 4

स्वतंत्रता, एकता, विकास और लोकतंत्र के 75 वर्ष

15 अगस्त 2022 को भारत की स्वतंत्रता का 75 वां वर्ष पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 को अहमदाबाद में साबरमती आश्रम में अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया था। यह महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। वर्तमान समय में जो युवा पीढ़ी है, जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच में है वह आजादी के संघर्ष और लोकतंत्र के महत्व को बेहतर ढंग से नहीं जानती है। उसे अपने देश के इतिहास और वर्तमान से जोड़ना जरूरी है। अमृत महोत्सव में जनभागीदारी, यानी सबका प्रयास की मूल भावना है। इसी भावना के साथ आजादी के 75 वें वर्ष को अमृत महोत्सव का नाम देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विकास यात्रा और स्वर्णिम भारत के संकल्पों को साकार करने की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाया। कोई भी संकल्प बिना उत्सव के सफल नहीं होता। एक संकल्प जब उत्सव का रूप लेता है तो उसमें लाखों-करोड़ों के संकल्प जुड़ जाते हैं, करोड़ों जन की ऊर्जा जुट जाती है। भारत की नई पीढ़ी को आजादी और देश के साथ जोड़ने का ये स्वर्णिम अवसर बना है। आजादी के 75 वें वर्ष तक राष्ट्र ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और हम भारत को शीर्ष देशों में रखने में सफल रहे हैं। सभी के प्रयासों से प्रत्येक क्षेत्रों में कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। भारत सरकार ने आजादी के 75 वर्ष को एक ऐसा अनूठा प्रतीक बनाया है। राष्ट्र को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए नई पहल, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ भविष्य की योजना को आकार दिया जा रहा है, ताकि अगले 25 वर्ष यानी 2047 में जब भारत आजादी का शताब्दी वर्ष मनाए तब भारत दुनिया के शीर्ष पर स्थापित हो। इसी उद्देश्य से अगले 25 वर्ष को अमृत काल का नाम देकर अमृत यात्रा की शुरुआत की गई है। इस यात्रा में अपने सामर्थ्य के साथ प्रगति के लिए अधीर भारत, आत्मनिर्भरता की बुलंदियां छूने को संकल्पबद्ध है। आज की विकास यात्रा, कल के नए भारत की समृद्ध और गौरवशाली विरासत बन रही है।

तापड़िया टूल्स : फौलादी इरादों के लिए बेजोड़ औजार

मुंबई। हैंड टूल्स उद्योग की प्रमुख कंपनी तापड़िया टूल्स लि. अपने स्थापना काल से ही ग्राहकों की विश्वसनीयता हासिल की है। वर्ष 1969 में तापड़िया टूल्स लि. की स्थापना की गई थी। तबसे तापड़िया टूल्स ने ग्राहकों की आवश्यकता एवं डिजाइन के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए निरंतर उत्पादों का विकास नए तरीके से कर रही है।

हर हाथ काम, हर हाथ रोजगार से प्रेरणा पाकर देश की बुनियादी औद्योगिक जरूरत को समझते हुए सीएमडी हरनारायण तापड़िया के कुशल नेतृत्व व दूरदर्शिता से तापड़िया टूल्स के गुणवत्तापूर्ण उत्पादों ने भारत ही नहीं विश्व बाजार में भी अपनी साख बनाई है। तापड़िया टूल्स ने ब्रिटिश, जर्मन एवं यू. एस. स्तर के अनुसार अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर ज्यादा महत्व दिया है। कंपनी ने योजनाबद्ध तरीके से विदेशी कारोबारी सहभागिता के साथ हैंड टूल्स उद्योग के क्षेत्र में विश्व में अपना स्थान बना लिया है। ग्राहकों के विश्वास को नया आयाम देते हुए तापड़िया टूल्स की बाजार में हिस्सेदारी 70 से 75 प्रतिशत है। श्रेष्ठ उत्पाद के साथ तापड़िया टूल्स बाजार में आईएसओ 9001 मान्यता प्राप्त औजार निर्माता कंपनी है।

तापड़िया के सभी हैंड टूल्स को उच्च अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जाता है जिससे इसके उत्पाद गुणवत्ता बेजोड़ होती है। अगर कोई उत्पाद मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट हो तो कंपनी उसे वापस ले लेती है। तापड़िया टूल्स ब्रांड के गुणवत्ता की सराहना वैश्विक स्तर किया जाता है।

शीशम की लकड़ी कारोबार में देश को करोड़ों का नुकसान

मुंबई। विश्वस्तरीय स्तर पर देश में शीशम के प्रयोग पर लगी रोक से भारत सरकार को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। शीशम की लकड़ी से सबसे अधिक दरवाजे, खिड़की और जरूरी फर्नीचर आदि बनाए जाते हैं। मीडिया खबरों के मुताबिक भारत सरकार ने विश्वस्तरीय संगठन को सिफारिश की है कि शीशम की लकड़ी को तय की गई विशेष श्रेणी से बाहर किया जाए। भारत सरकार के रिकार्ड के मुताबिक यह रोक 2016 से है और इसके बाद से ही इस श्रेणी के कारोबार में देश को करीब एक हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।

शीशम की लकड़ी को विशेष श्रेणी में घोषित किए जाने की वजह से विभिन्न श्रेणी में होने वाले कारोबार में करीब पचास फीसद तक की गिरावट आई है। यह लकड़ी वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियां (सीआईटीईएस) में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कंवेंशन की सूची दो के तहत सूचीबद्ध है। भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने शीशम की लकड़ी को इस श्रेणी से बाहर करने की सिफारिश की है और इस श्रेणी को लागू करने के लिए अपना विरोध भी दर्ज करा सकता है। यह बैठक सेंट्रल अमेरिका के पनामा शहर में नवंबर 2022 में होनी संभावित है। बताया जा रहा है कि इस श्रेणी बदलाव का असर सीधे तौर पर इस कारोबार से जुड़े करीब पचास हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। प्रस्ताव में बताया गया है कि श्रेणी में शीशम की लकड़ी को राहत दिए जाने से ऐसे परिवारों को बड़ी राहत होगी। भारत के इस प्रस्ताव पर नेपाल से भी समर्थन किया जा रहा है।

इस श्रेणी में बदलाव करने के लिए भारत सरकार ने तर्क दिया है कि यह

वनस्पति बहुत ही तेजी से विकसित होती है। भारत अपने दस्तावेज में बताया कि वन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 में शीशम के पेड़ों की संख्या 7,57,62000 है। कुछ देशों में इस लकड़ी के उत्पाद की मांग बढ़ी है और इस वजह से इसका अवैध व्यापार भी बढ़ा है। इसलिए शीशम को इस दायरे से बाहर करने की सिफारिश भेजी गई है। शीशम भारतीय उपमहाद्वीप का वृक्ष है। यह प्रजाति भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, इराक, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान समेत अफ्रीका और एशिया में पाई जाती है। इसकी लकड़ी फर्नीचर एवं इमारती लकड़ी के लिये बहुत उपयुक्त होती है। इसे एक ठोस दृढ़ लकड़ी माना जाता है और सागौन के बाद दूसरा सबसे अधिक खेती वाला पेड़ है। इसकी लकड़ी, पत्तियां, जड़ें सभी काम में आती हैं। जड़ें भूमि को अधिक उपजाऊ बनाती हैं। पत्तियां व शाखाएं वर्षा-जल की बूंदों को धीरे-धीरे जमीन पर गिराकर भू-जल स्तर बढ़ाती है।

घर में घुसकर फर्नीचर कारोबारी से मांगी रंगदारी

लोनी। अशोक विहार कालोनी में फर्नीचर कारोबारी से घर में घुसकर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। चार नामजद समेत दस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

अशोक विहार कालोनी में फर्नीचर कारोबारी यासीन परिवार के साथ रहते हैं। उनके परिवार में पत्नी दो बेटे और दो बेटियां हैं। 27 जुलाई को जरीफ, शहनवाज मंसूरी, नईम, सलमान घर पर पहुंचे। उन्होंने एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। आरोप है कि रात करीब 11 बजे वह अपने छह साथियों के साथ घर पर पहुंचा। उन्होंने घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। उनके साथियों ने दीवार कूदकर अंदर घुसने का प्रयास किया। शोर सुनकर लोग एकत्र हो गए। लोगों को एकत्र हुआ देखकर आरोपित मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय चौधरी का कहना है कि आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन से कारपेंटर की मौत

मैनपुरी। सीने में जलन व गैस की परेशानी होने पर कारपेंटर को विशुनगढ़ के झोलाछाप डॉक्टर की दुकान पर भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। ग्राम जोत निवासी बृजेश को देर रात सीने में जलन व गैस की शिकायत हुई। बेटे अजय ने बताया कि रात में ही वे पिता को विशुनगढ़ में एक झोलाछाप डॉक्टर की दुकान पर ले गए। उनको रातभर में ग्लूकोज की पांच बोतलें लगाई गईं, जिससे उनकी हालत में सुधार हो गया। दोपहर को डॉक्टर ने ग्लूकोज की बोतल में डालकर दो इंजेक्शन लगा दिए, जिससे उसके पिता की हालत बिगड़ गई। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे व दो बेटियां हैं।

कांच के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क

मुंबई। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू कंपनियों के हितों की रक्षा के लिए बांग्लादेश और थाईलैंड से आने वाले उच्च गुणवत्ता के कांच पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की है। इस तरह के कांच का इस्तेमाल निर्माण, रेफ्रिजरेशन, सौर ऊर्जा तथा अन्य उद्योगों में होता है।

स्कॉर्पियो सवार ने कारपेंटर को रौंदा

नोएडा। सेक्टर 126 में स्कॉर्पियो सवार एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र ने कारपेंटर को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उत्तर प्रदेश के कुशी नगर निवासी कारपेंटर लालजी चौहान देर रात सेक्टर 126 तिराहे से होकर जा रहे थे। इसी दौरान अपनी स्कॉर्पियो से एमिटी विश्वविद्यालय का छात्र जसोला दिल्ली निवासी साहिल शर्मा भी निकला। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पर चल रहे कारपेंटर लालजी चौहान को कुचल दिया। घायल कारपेंटर को जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों को मिलेगी स्किल ट्रेनिंग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों जैसे कारपेंटर, प्लंबर, लोहार, राजमिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, कुम्हार, मोची, धोबी आदि को स्किल ट्रेनिंग देगी। इसके तहत दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी द्वारा एक खास ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत की जाएगी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के कौशलों को और बेहतर बनाना है ताकि अपस्किलिंग के साथ-साथ उनकी आय में वृद्धि हो तथा उन्हें टारगेट समूहों के साथ भी जोड़ा जा सके। इस प्रोग्राम के तहत पहले विभिन्न स्रोतों जैसे निर्माण बोर्ड डाटाबेस, एसोसिएशन व जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के माध्यम से इन श्रमिकों की पहचान की जाएगी व इन्हें डीएसईयू के माध्यम से एक सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स करवाया जाएगा, साथ ही सभी श्रमिकों को उनके काम से संबंधित टूल किट व वर्दी भी दी जाएगी। इसके लिए एक पोर्टल भी तैयार किया जाएगा जिस पर सभी श्रमिकों की जानकारी होगी व दिल्ली के नागरिक इस पोर्टल के माध्यम से कुशल श्रमिकों से उनकी सेवाएं ले पाएंगे।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

Azadi Ka Amrit Mahotsav

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | अगस्त 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 09 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

फर्नीचर कारोबारी के घर पर चला बुलडोजर

मुरादाबाद। फर्नीचर के रुपये मांगने पर फर्नीचर कारोबारी के घर पर बुलडोजर चलवाने के आरोपी बिलारी के एसडीएम घनश्याम वर्मा को हटा दिया गया। उन्हें मुख्यालय संबद्ध किया गया है। एडीएम (प्रशासन) सुरेंद्र कुमार द्वारा पूरे दिन की गई जांच के बाद डीएम को शाम को सौंपी गई रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की गई है। उनके स्थान पर एसीएम (प्रथम) राजबहादुर को बिलारी का नया एसडीएम नियुक्त किया गया है। बिलारी तहसील क्षेत्र के स्टेशन रोड निवासी फर्नीचर कारोबारी जाहिद अहमद के घर की दीवार एसडीएम घनश्याम वर्मा के आदेश पर तहसील प्रशासन ने नगर पालिका की टीम के साथ पहुंच कर ढहा दी थी। एसडीएम का कहना था कि तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण करने के कारण यह कार्रवाई की गई है। इस संबंध में फर्नीचर कारोबारी जाहिद का कहना है कि बिलारी में तैनात एसडीएम घनश्याम वर्मा उनके घर के पास ही आर्शीवाद फर्नीचर के नाम से उनके फर्नीचर शोरूम में फर्नीचर पसंद कर गए थे।

एसडीएम के आदेश के अनुसार फर्नीचर उनके बिलारी आवास और मुरादाबाद आवास भेज दिया गया था, जिसकी कीमत 1 लाख 48 हजार रुपये थी। जाहिद का आरोप है कि उन्होंने जब बिल भेजकर पैसे मांगे तो एसडीएम ने कोई जवाब नहीं दिया। उसके बाद एसडीएम दोबारा शोरूम आए और बताया कि उनकी बेटी अलका वर्मा हरदोई में डिप्टी जेलर के पद पर तैनात हैं और उनके घर के लिए भी सामान भेजना है। शोरूम में सामान पसंद करने के बाद उन्होंने सारे सामान की पैकिंग कराई। पूरा सामान गाड़ी मंगाकर मजदूरों के साथ हरदोई भेजा। 5 जुलाई 2022 को हरदोई सामान पहुंचने के बाद दोबारा से फर्नीचर कारोबारी 1 लाख 19 हजार रुपये का बिल लेकर एसडीएम के पास पहुंचे। व्यापारी के मुताबिक इस दौरान उनके साथ अभद्रता की गई।

इसके बाद व्यापारी ने मुरादाबाद के जिलाधिकारी और कमिश्नर को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद डीएम ने मामले की जांच एडीएम (प्रशासन) सुरेंद्र कुमार को सौंप दी थी। मामले की जांच के लिए एडीएम (प्रशासन) बिलारी पहुंच कर तालाब की पैमाइश कराई। फर्नीचर कारोबारी जाहिद अहमद तथा एसडीएम घनश्याम वर्मा समेत कई अन्य लोगों के भी बयान दर्ज किए। उन्होंने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट डीएम को सौंप दी। इस रिपोर्ट के बाद देर शाम डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने एसडीएम बिलारी घनश्याम वर्मा को वहां से हटाकर जिला मुख्यालय संबद्ध कर दिया है। उन्होंने उनके स्थान पर जिला मुख्यालय पर तैनात अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) राज बहादुर सिंह को बिलारी तहसील का एसडीएम नियुक्त किया है। मुरादाबाद के डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिलारी के एक फर्नीचर कारोबारी ने फर्नीचर के रुपये मांगने पर एसडीएम द्वारा उसके घर की दीवार ढहाने का आरोप लगाया गया था। एडीएम (प्रशासन) को इसकी जांच के लिए भेजा गया था। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया है लेकिन व्यापारी को जो नोटिस दी गई थी उसमें समय 15 दिन न देकर एक सप्ताह के भीतर ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। व्यापारी और एसडीएम के बयान में भी काफी अंतर है जिसकी सत्यता की पड़ताल की जाएगी। फिलहाल जांच की निष्पक्षता प्रभावित न हो इसके लिए एसडीएम को हटाकर उन्हें मुख्यालय संबद्ध कर दिया गया है। उनके स्थान पर एसीएम (द्वितीय) राजबहादुर को बिलारी का एसडीएम नियुक्त किया गया है। कमिश्नर को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भेज दी गई है।

कार्पर से करें राऊटर और ट्रिमर का काम एक साथ

लुधियाना। एंडीको पावर टूल्स शुद्ध भारतीय कंपनी है। कारपेंटर भाइयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी अपने नए मशीनों की डिजाइन करती है। जिसमें क्वालिटी और सर्विस का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाता है। ग्राहक की संतुष्टी करना कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

अभी हाल ही में कंपनी की तरफ से कार्पर प्रोडक्ट लांच किया गया है। एंडीको पावर टूल्स का दावा है कि ऐसा प्रोडक्ट दुनिया में किसी कंपनी ने नहीं बनाया है। विशेष तरह की डिजाइन होने की वजह से कार्पर 6mm ट्रिमर 8mm राऊटर का काम बहुत आसानी से और कम समय में करता है। इसके अलावा एंडीको पावर टूल्स ने एक और प्रोडक्ट को लांच किया है। जिसका नाम SLOK30 है। यह एक गाइड वाला वुड कटर है। जिसमें बुरादा नहीं उड़ता और कारीगर बहुत आसानी से और कम समय में अपना कम कर सकते हैं। इसकी गाइड को 4 तरीके से प्रयोग किया जा सकता है। एंडीको के इन प्रोडक्ट्स की खास विशेषता होने की वजह से मार्किट में इसकी प्रतिक्रिया काफी अच्छी है। कारपेंटर भाइयों ने इन प्रोडक्ट्स को उपयोग करने के बाद एंडीको पावर टूल्स की सराहना की है।

मर्सिडीज ने बनाई आरामदायक कुर्सी

मुंबई। लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज ने एक बेहद आरामदायक कुर्सी मार्केट में पेश की है जिसका नाम एमजी चेयर है। शानदार बनावट, प्रीमियम क्वालिटी और 39 किग्रा वजन वाली इस कुर्सी की कीमत करीब 2.83 लाख है। बेहद आरामदायक इस कुर्सी का प्रोडक्शन मर्सिडीज की फैक्ट्री में हो रहा है। लैदर से ढकी इस चेयर को मर्सिडीज कारों के शौकीन ही अफोर्ड कर सकते हैं, जिस पर कंपनी ने एमजी बैज दिया है और इसे देखकर ही समझ आ जाता है कि ये कितनी आरामदायक होगी। इस एमजी चेयर के साथ लंबे बैकरेस्ट से जुड़ा हेडरेस्ट दिया गया है, इसके अलावा साइड बोल्स्टर्स और सीट एक्सटेंशन भी मिला है। मर्सिडीज द्वारा तैयार की गई इस एमजी चेयर पर बेहतर सीटिंग के लिए 3 पॉइंट हार्नेस भी दिया गया है। ये चेयर ब्लैक पाउडर कोटेड स्टील बेस, क्रोम कास्टर्स और हाइट

अडजस्टेबलिटी के साथ आती है। इसके बैकरेस्ट को भी अडजस्ट किया जा सकता है। एमजी चेयर के साथ अडजस्टेबल पैडेड आर्मरेस्ट दिया गया है जिसे 30 डिग्री तक रोटेट किया जा सकता है।

हेरिटेज फर्नीचर की फिर हुई नीलामी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ का हेरिटेज फर्नीचर एक बार फिर विदेश में नीलाम हुआ है। 20 जून को यूरोप के मोनाको में नीलामी में वर्ष 1955-56 में पियर जेनरे की ओर से डिजाइन की गई आर्मचेयर नीलाम की गई। इसकी कुल कीमत करीब चार करोड़ लगाई गई। शहर के वकील अजय जग्गा ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को शिकायत भेजकर अपील की है कि इन फर्नीचर की संभाल के लिए संसद को कोई फैसला लेना चाहिए।

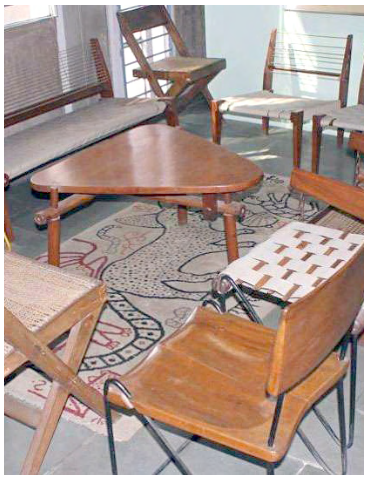

जग्गा ने मीडिया को बताया कि मोनाको में नीलामी में आर्म चेयर की सबसे अधिक 15.39 लाख रुपये में बोली लगी। उन्होंने कहा कि हेरिटेज फर्नीचर की सही देखरेख नहीं होने के कारण करोड़ों के राजस्व से हाथ धोना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि हेरिटेज फर्नीचर की नीलामी को रोकने के साथ ही इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए कि आखिरकार देश से बाहर ये हेरिटेज फर्नीचर पहुंच कैसे रहा है। जो भी फर्नीचर की तस्करी में शामिल है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा यहां स्थानीय स्तर पर भी इसकी चोरी रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष भी इस मुद्दे को उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन आइटम्स को देश से बाहर भेजने के लिए जो दस्तावेज इस्तेमाल किए गए, उनकी जांच होनी चाहिए। पिछले कुछ साल में शहर के करोड़ों के हेरिटेज फर्नीचर यूएसए, यूके, फ्रांस व जर्मनी समेत अन्य देशों में नीलाम हो चुके हैं।

पांच दिन चलेगी प्लाईवुड यूनिट

यमुनानगर। प्लाईवुड व्यापारियों की एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि कच्चा माल की कमी के कारण प्लाईवुड फैक्ट्रियां पांच दिन चलाएंगे। जिमखाना क्लब में प्लाईवुड व्यापारियों की एसोसिएशन की बैठक में सभी व्यापारियों ने सहमति से निर्णय लिया गया कि शुक्रवार की रात आठ बजे से सोमवार की सुबह आठ बजे तक फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद रखा जाएगा। यह फैसला इस महीने के चौथे सप्ताह तक लागू रहेगा। प्लाईवुड व्यापारी एसोसिएशन के वरिष्ठ उपप्रधान सतीश चौपाल ने बताया कि व्यापारी लकड़ी की खरीद कर सकता है। यदि कोई व्यापारी शुक्रवार की रात को कोर सुखाना चाहता है, तो उसे अपने फर्म के नाम पर लिखित पत्र के साथ एसोसिएशन के प्रतिनिधि को इसकी जानकारी देनी होगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर भी फैक्ट्रियां बंद रहेगी, लेकिन उस सप्ताह शनिवार यानि 13 अगस्त को फैक्ट्रियां खुली रहेगी। 14 और 15 अगस्त को यूनिट बंद रहेगी। यमुनानगर जिले में प्लाईबोर्ड की करीब एक हजार यूनिट है। वन विभाग द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक प्रतिदिन इन यूनिट में दो से ढाई लाख क्विंटल कच्चे माल माल की खपत है, लेकिन इस समय बरसात व खेत खाली न होने के कारण मंडी में कच्चा माल बहुत ही कम आ रहा है। माल कम आने के कारण से पापुलर के रेट भी आसमान पर हैं। लकड़ मंडी के पूर्व प्रधान अशोक गुर्जर का कहना है इन दिनों पापुलर की कटाई कम होती है जिस कारण मंडी में कच्चा माल कम आ रहा है सामान्य दिनों में 1200 से 1500 ट्राली से लोड होकर मंडी में पहुंचती थी। अब इनकी संख्या घटकर 300 से 400 पर रह गई है। लक्कड़ मंडी में करीब 85 प्रतिशत माल उत्तर प्रदेश व पंजाब से आता है।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया पौधरोपण

मुंबई। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट रेड ब्रिगेड के तत्वावधान में मुंबई टीम द्वारा संस्था के 10 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विरार स्थित मानव सेवा वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम, जामुन, बरगद, पीपल, कटहल, नीम आदि का पौधरोपण किया गया। संस्था के राष्ट्रीय सचिव अनिल विश्वकर्मा ने कहा कि वृक्षों की कमी के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने के लिए पौधरोपण बहुत जरुरी है। मां वसुंधरा को हरा भरा रखने में हम सबको पौधरोपण करना चाहिए। संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर मानव सेवा वृद्धाश्रम में वृद्धों के लिएअन्नदान भी किया गया।

इस अवसर पर कैलाश विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा, रामअनुज विश्वकर्मा, रामाशीष विश्वकर्मा, राम विश्वकर्मा, डॉ. के.के. विश्वकर्मा, अजित शर्मा, सुरेंद्र विश्वकर्मा, अनिल सी. विश्वकर्मा, मोहित विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, विजेंद्र विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्लाईवुड कारोबारी के प्रतिष्ठान पर एसआईबी का छापा

सहारनपुर। राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा की टीम ने मंडी समिति रोड स्थित एक प्लाईवुड कारोबारी के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। 18 घंटे चली सर्वे की कार्रवाई के बाद कारोबारी की 71 टन लकड़ी सीज की गई। टीम संबंधित प्रपत्रों की जांच में जुट गई है। राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-1 सत्यपाल सिंह व अपर आयुक्त ग्रेड-2 रामबाबू गौड़ के निर्देश पर उपायुक्त ब्रजेश के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान शाखा की टीम ने मंडी समिति रोड स्थित एक एमडीएफ व प्लाईवुड कारोबारी के यहां छापा मारा। टीम ने फर्म से संबंधित समस्त स्टॉक का सत्यापन किया। अपर आयुक्त ग्रेड-1 सत्यपाल सिंह ने मीडिया को बताया कि फर्म के विरुद्ध विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध गड़बड़ियों के आधार पर छापे की कार्रवाई की गई। जांच टीम ने 71 टन लकड़ी का स्टॉक सीज किया है। व्यापारी द्वारा अपनी आरा मशीन पर लकड़ी का चिरान करने और जॉबवर्क इनवॉइस जारी न करते हुए सर्विस से संबंधित कर जमा नहीं करने का करोड़ों रुपये के टर्नओवर का मामला पकड़ में आया है। एसआईबी ने संबंधित प्रपत्रों की सीज कर दिया है। जांच टीम में उप आयुक्त योगेश मौर्य, उमाशंकर विश्वकर्मा, राज्य कर अधिकारी मनमोहन सिंह, योगेंद्र, पंकज श्रीवास्तव, रविंद्र श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

NIKHIL
महाकोल
जलवीर
Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg
Ye Toh Chipak Gaya
बेहतरीन कवरेज
वॉटर प्रूफ एडहेसिव
Mahacol®
jalveer
महाकोल जलवीर के साथ पाए
कटर फ्री
Mahacol®
The Right Adhesive

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks Series
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges Series

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

Find us on : Facebook Twitter Instagram LinkedIn YouTube Google Play App Store

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती

श्रीराम के आदर्शों को मानव जाति तक पहुंचाने वाले महाकवि

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त और श्री रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म संवत 1554 में सावन माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर हुआ था। उनका जन्म स्थान उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में राजापुर गांव है। तुलसीदास के पिता का नाम आत्माराम दुबे व माता का नाम हुलसी था। उनके बचपन का नाम रामबोला था। कहा जाता है कि जन्म के समय वे रोये नहीं थे तथा उनके मुख में पूरे बत्तीस दांत थे। उनकी माता की मृत्यु हो जाने पर पिता ने उन्हें अशुभ मानकर बचपन में ही त्याग दिया था, जिसके बाद दासी ने उनका पालन-पोषण किया। लेकिन जब दासी ने भी उनका साथ छोड़ दिया तब उनका जीवन कष्टमय हो गया था। अधिकांश लोग अशुभ मानकर उन्हें देखते ही अपने द्वार बंद कर लिया करते थे। परन्तु तुलसीदास ने हार मानने की बजाय तमाम कठिनाइयों का डटकर सामना किया।

उनका विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली से बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गयी हुई थीं और तुलसीदास को उनकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी। फिर भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उनके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुईं और उन्हें ताना मारते हुए कहा - हाड़ मांस को देह मम, तापर जितनी प्रीति/ तिसु आधो जो राम प्रति अवसि मिटिहि भवभीति। अर्थात जितना प्रेम मेरे इस हाड़ मांस के शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार कर गये होते। पत्नी के ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा ही बदल डाली। उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गये। उसी दौरान स्वामी नरहरिदास उनके गांव आये और उन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए जीवन की राह दिखायी। गुरु नरहरिदास से शिक्षा दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली।

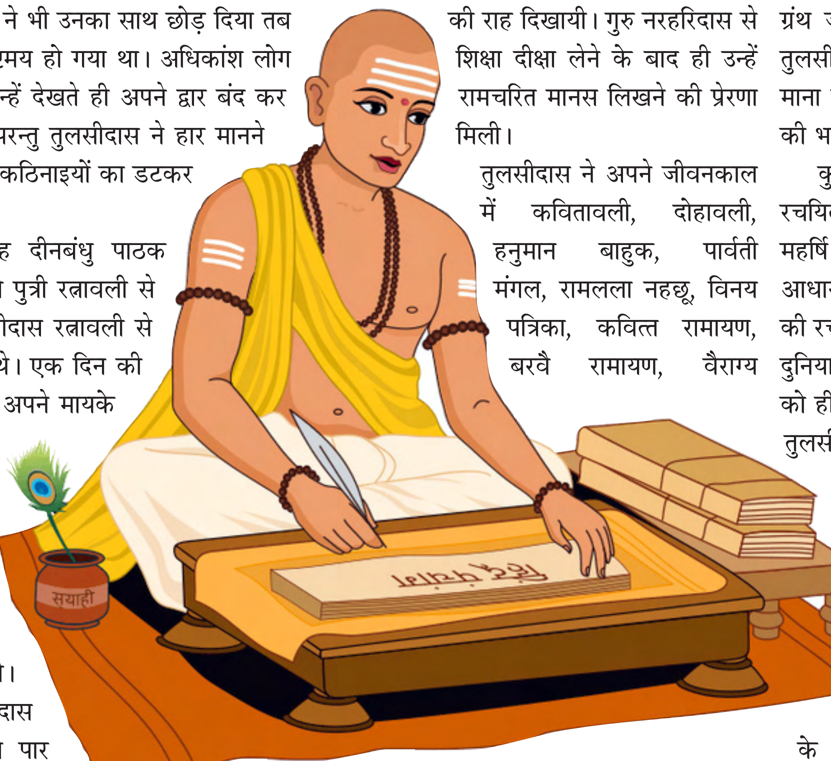

तुलसीदास ने अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनय पत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी आदि कुल 12 पुस्तकों की रचना की, किंतु उन्हें सर्वाधिक प्रसिद्धि रामचरित मानस से मिली। तुलसीदास जी ने संवत 1631 में 76 वर्ष की आयु में श्रीरामचरित मानस की रचना शुरू की थी। इस ग्रंथ को पूरा होने में 2 साल 7 माह और 26 दिन का समय लगा। संवत 1633 के अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर ये ग्रंथ पूरा हो गया था। जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरुआत में इसे मान्यता नहीं मिली। लेकिन सरल अवधि भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन जन में लोकप्रिय हो गया। इसी कारण तुलसीदास को जन जन का महाकवि और कविराज माना जाता है। अवधी उत्तर प्रदेश में जनसाधारण की भाषा है।

कुछ विद्वान तुलसीदास को संपूर्ण रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं। महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत में रचित रामायण को आधार मानकर ही तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना सरल अवधी भाषा में की थी। तुलसीदास दुनिया के पहले ऐसे कवि हैं, जो अपनी रचनाओं को ही अपने माता-पिता कहते थे। अपने काव्य में तुलसीदास ने आसावरी, जैती, कान्हरा, कल्याण, भैरव, भैरवी, बिलावल, सारंग, विभास, बसंत, दंडक, केदार, धनाश्री, सोरठ, ललित, नट, तोड़ी, सूहो, मलार, गौरी, मारू, चंचरी, रामकली आदि बीस से भी अधिक रागों का प्रयोग किया है। तुलसीदास का संपूर्ण जीवन राममय रहा और अपने महाकाव्य रामचरित मानस के जरिये उन्होंने भगवान श्रीराम की मर्यादा, करुणा, दया, शौर्य, साहस और त्याग जैसे सद्गुणों की व्याख्या की, उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम का स्वरूप दिया। रामचरित मानस के जरिये उन्होंने समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन जन का राम बना दिया। रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर उन्होंने इस रामकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसीदास के अनुसार तुलसी के राम सब में रमते हैं। वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोकमंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने रामचरित मानस को माध्यम बनाकर समस्त भारतीय समाज को भगवान श्रीराम के रूप में ऐसा दर्पण दिया है, जिसके सामने हम सब आसानी से अपने गुणों अवगुणों का मूल्यांकन करते हुए श्रेष्ठ इंसान बनने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

तुलसीदास को गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना भी दिलचस्प है। गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी। अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो, यानी जितेंद्रिय, तुलसीदास पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोह माया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात गोस्वामी हो गये थे। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्हें गोस्वामी उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। उनका कहना है कि संतों का संग किये बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती और सत्संग तभी मिलता है, जब प्रभु श्रीराम की कृपा होती है। बिनु सत्संग बिबेक न होई, राम कृपा बिनु सुलभ न सोई। उनका कहना था कि संत और असंत दोनों एक ही संसार में एक साथ जन्म लेते हैं, लेकिन दोनों के गुण जल में ही उत्पन्न होने वाले कमल और जोंक की भांति भिन्न होते हैं। संत इस संसार से उबारने वाले होते हैं, जबकि असंत कुमार्ग पर धकेलने वाले होते हैं।

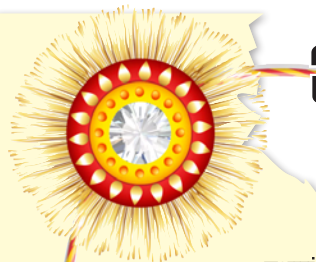

भद्रा के समय नहीं बांधनी चाहिए राखी

रक्षाबंधन के पावन दिन बहन भाई को राखी बांधती है और भाई बहन को उपहार देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ मुहूर्त में राखी बांधन का बहुत अधिक महत्व होता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार भद्रा के समय राखी नहीं बांधनी चाहिए। रक्षाबंधन के दिन भद्रा का खासा ध्यान रखा जाता है। इस वर्ष रक्षाबंधन 11 अगस्त को है। इस दिन पूर्णिमा तिथि सुबह 9.35 मिनट पर शुरू होगी जो 12 अगस्त को सुबह 7.17 मिनट पर समाप्त होगी। राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 9. 38 मिनट से लेकर रात 9.14 मिनट तक रहेगा। इस दौरान रवि व अमृत योग का भी संयोग बनेगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राखी बंधवाते समय भाई का मुख पूरब दिशा में और बहन का पश्चिम दिशा में होना चाहिए। सबसे पहले बहनें अपने भाई को रोली, अक्षत का टीका लगाएं। घी के दीपक से आरती उतारें, उसके बाद मिष्ठान खिलाकर भाई के दाहिने कलाई पर राखी बांधें। राखी बांधते समय यह मंत्र पढ़ना चाहिए।

ॐ येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबल:।
तेन त्वामभि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।

रक्षाबंधन की पौराणिक कथा

धार्मिक कथाओं के अनुसार जब राजा बलि ने अश्वमेध यज्ञ करवाया था तब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से तीन पग धरती दान में मांग ली थी। राजा ने तीन पग धरती देने के लिए हां बोल दिया था। राजा के हां बोलते ही भगवान विष्णु ने आकार बढ़ा कर लिया है और तीन पग में ही पूरी धरती नाप ली है और राजा बलि को रहने के लिए पाताल लोक दे दिया। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु से एक वरदान मांगा कि भगवन मैं जब भी देखूं तो सिर्फ आपको ही देखूं। सोते जागते हर क्षण मैं आपको ही देखना चाहता हूं। भगवान ने राजा बलि को ये वरदान दे दिया और राजा के साथ पाताल लोक में ही रहने लगे। भगवान विष्णु के राजा के साथ रहने की वजह से माता लक्ष्मी चिंतित हो गईं और नारद जी को सारी बात बताई। तब नारद जी ने माता लक्ष्मी को भगवान विष्णु को वापस लाने का उपाय बताया। नारद जी ने माता लक्ष्मी से कहा कि आप राजा बलि को अपना भाई बना लिजिए और भगवान विष्णु को मांग लिजिए। नारद जी की बात सुनकर माता लक्ष्मी राजा बलि के पास भेष बदलकर गईं और उनके पास जाते ही रोने लगीं। राजा बलि ने जब माता लक्ष्मी से रोने का कारण पूछा तो मां ने कहा कि उनका कोई भाई नहीं है इसलिए वो रो रही हैं। राजा ने मां की बात सुनकर कहा कि आज से मैं आपका भाई हूं। माता लक्ष्मी ने तब राजा बलि को राखी बांधी और उनसे भगवान विष्णु को मांग लिया है। ऐसा माना जाता है कि तभी से भाई-बहन का यह पावन पर्व मनाया जाता है।

GREENPANEL®
CLUB HDF

ग्रीनपैनल क्लब एचडीएफ सहे हर मार और चले सालों साल

भारत में विभिन्न प्रकार के मौसम हैं। हर मौसम का आपके पसंदीदा फर्नीचर पे असर दिखने लगता है। कभी फर्नीचर सूजता है, कभी उसमें क्रैक्स पड़ने लगते हैं और कुछ दिन बाद गलने लग जाता है। इस से बचना है काफी आसान, ग्रीनपैनल का क्लब एचडीएफ इस्तेमाल करें और इन सब दिक्कतों से मुक्ति पाएं।

ना आएगी नमी, ना होगी खूबसूरती में कमी

किचन और बाथरूम दो ऐसी जगह हैं जहाँ पर पानी का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होता है। इसलिए आपने देखा होगा कि कुछ दिन बाद यहाँ की कैबिनेट्स गलने लग जाते हैं, पल्ले उखड़ने लग जाते हैं और दरवाज़े फूल के निकल जाते हैं। इन प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन है ग्रीनपैनल क्लब एचडीएफ, क्योंकि यह जल प्रतिरोधक बोर्ड है, इसकी डेंसिटी इतनी ज़्यादा है जिसकी वजह से ये पानी में भी फूलता नहीं, और इसका प्रूफ है हमारी 5 साल की वारंटी।

ग्रीनपैनल क्लब ग्रेड जल प्रतिरोधक बोर्ड के फायदे

क्लब एचडीएफ उच्च घनत्व और उच्च जल प्रतिरोधी वाला बोर्ड है, जिसकी वजह से इसे नमी प्रवृत्त क्षेत्रों में लगाना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाले रेसिन से बने ये बोर्ड जल प्रतिरोधी हैं। यह बहुत अधिक वजन सहन कर सकता है, तो इसे आप कैबिनेट्स, अलमारी आदि में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ग्रीनपैनल द्वारा 5 साल की वारंटी इस दावे का प्रमाण है। एक समान मोटाई और सुपर स्मूथ सरफेस की वजह से इसे कोई भी आकार या डिज़ाइन देना बेहत आसान हो जाता है।

सबसे खास बात है की इसकी सभी मौसम स्थितियों में एक समान सतह बनी रहती है। ये बोर्ड वायरस, फंगस, दीमक और बोरॅर प्रतिरोधी हैं।

India's Largest Wood Panel Manufacturer

Toll Free No. 1800 102 2999 (Mon-Fri / 10am-5pm)

Visit www.greenpanel.com / connect on

GREENPANEL®
CLUB HDF
ग्रीनपैनल क्लब एच.डी.एफ,
पानी की बौछार में भी आपके
फर्नीचर को रखे बरकरार।
5
*साल की
वारंटी
मज़बूत
और टिकाऊ
ज़्यादा डेंसिटी
वाला बोर्ड
फंगस प्रूफ और
दीमक प्रतिरोधक
*नियम और शर्तें लागू।
मुख्य उपयोग : • किचन कैबिनेट्स • वार्डरोब • बाथरूम कैबिनेट्स • फर्नीचर • पार्टीशन और पैनलिंग
Greenpanel Industries Limited : 3rd Floor, Plot No. 68, Sector 44, Gurugram 122003, Haryana. T +91 124 4784600 | E info@greenpanel.com
www.greenpanel.com I Toll Free No. 1800 102 2999

विश्वकर्मा मंदिर परिसर में डोगरी गाने का वीडियो लोकार्पित

जम्मू। कौशल विकास जम्मू-कश्मीर के निदेशक सुदर्शन कुमार (के.ए.एस) ने नए डोगरी गीत 'यार दे मुखदे छ रब लवदा' का वीडियो जारी किया। विश्वकर्मा मंदिर परिसर, नया प्लॉट जम्मू में आयोजित एक सभा में डोगरा आर्ट्स जम्मू के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि सुदर्शन कुमार ने कहा कि फिल्म उद्योग, संगीत और ललित कला के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। जम्मू-कश्मीर प्राकृतिक सुंदरता से भरा है और पेशेवरों द्वारा बहुत सारे रचनात्मक कार्य किए जा सकते हैं। गीत का वीडियो बनाने के लिए लेखकों, संगीतकारों, अभिनेताओं और निर्देशकों की टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि डोगरी भाषा का प्रचार हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है और इस तरह के छोटे वीडियो बनाकर किए गए ईमानदार प्रयास क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण में एक लंबा रास्ता तय करेंगे।

समारोह में विशिष्ट अतिथि डोगरी लेखक डॉ. चंचल भसीन ने कहा कि डोगरी बहुत प्यारी भाषा है। डोगरी भाषा हमारे देश की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर बोली और समझी जाती है। यह एक अच्छा संकेत है कि लोग डोगरी की ओर ध्यान दे रहे हैं और इसके अस्तित्व के लिए इसे बढ़ावा दे रहे हैं।

गीत और वीडियो का विवरण देते हुए निर्माता ओम कटारिया ने बताया कि गीत को आकाश डोगरा और संदीप वर्मा के निर्देशन में नाट्य रूट्स जम्मू द्वारा जिला जम्मू के अखनूर तहसील में में शूट किया गया है। अभिनेताओं में जे.आर सागर, रजत सलगोत्रा, नंदिनी मैहरा शामिल हैं। गीतकार बलवंत कटारिया, संगीत सुदर्शन सलगोत्रा, गायक सुरेश चौहान हैं। दर्शकों ने वीडियो के प्रदर्शन का आनंद लिया जिसे एल.ई.डी स्क्रीन पर चलाया गया और बाद में यूट्यूब चैनल Dograrts जम्मू पर प्रकाशित किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य कलाकारों को सम्मानित किया गया। इनमें सारिका भट्टी सल्गोत्रा (गायक), राजेश वर्मा (संगीत), वंशिका जराल (गायक), शामिल हैं। इस कार्यक्रम को देखने वालों में आकाश डोगरा, संदीप वर्मा, रजत सलगोत्रा, नंदिनी मेहरा, सुदर्शन सलारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, रमेश अंगोत्रा, मोहिंदर लाल, केवल करगोत्रा, अब्दुल कादर कुंदरीआ, महेश पंगोत्रा, मीनू वर्मा, सुमन लता, परवीन लता,अंचल वर्मा, मदन ब्राल, कृष्ण जराल, कमल वर्मा, मोनू वर्मा, रतन भारद्वाज, अवतार चंद वर्मा (पंजाबी कवि), आर्ष ओम डालमोत्रा, नीलम वर्मा, ओम अर्श दलमोत्रा, बसंत व्योगी, अखनूर से रतन भारद्वाज, मदन ब्राल, अखनूर से राज कुमार, चमन लाल पंथी, रामपाल डोगरा, हीरा नगर से मास्टर राज कुमार, शशि बाला, पूर्वी अंगोत्रा, हृथिक मालगोत्रा आदि शामिल हैं।

कवि करते हैं क्षितिज से परे कल्पना

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर, न्यू प्लॉट जम्मू ने डोगरी लेखक डॉ. चंचल भसीन की अध्यक्षता में एक बहुभाषी कविता सत्र का आयोजन

किया। सत्र की शुरुआत जम्मू के एक प्रसिद्ध कवि और लेखक रतन दोशी को श्रद्धांजलि के साथ हुई।

इस बहुभाषी कविता सत्र में आर्ष ओम डालमोत्रा, डॉ. चंचल भसीन (डोगरी), नीलम वर्मा (डोगरी), बलवंत कटारिया (डोगरी), ओम अर्श दलमोत्रा (उर्दू), बसंत व्योगी (डोगरी), अखनूर से रतन भारद्वाज (डोगरी), अवतार चंद वर्मा (पंजाबी), मदन ब्राल (डोगरी), अखनूर से राज कुमार (हिंदी), चमन लाल पंथी (डोगरी), अब्दुल कादर कुंदरिया (डोगरी), रामपाल डोगरा (डोगरी), हीरा नगर से मास्टर राज कुमार (डोगरी), शशि बाला (हिंदी), पूर्वी अंगोत्रा (हिंदी), पूर्वी अंगोत्रा (हिंदी), राम पल डोगरा (डोगरी), ओम कटारिया (हिंदी) कवियों ने भाग लिया।

डॉ. चंचल भसीन ने इस अवसर पर कहा कि समारोह सरल लेकिन बहुत प्रभावशाली रहा। ऐसे कार्यक्रमों से कला और संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। इस आयोजन के आयोजकों में कला के प्रति वास्तविक समर्पण, उत्साह और प्रेम की कल्पना नजर आती है। पुस्तकालय के संयोजक रमेश अंगोत्रा ने प्रतिभागियों द्वारा उद्धृत कविता की सराहना करते हुए कहा कि कवि और लेखक समाज के महत्वपूर्ण वर्ग हैं और उनका विधिवत सम्मान और सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा पुस्तकालय कला, संस्कृति और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुदर्शन कुमार ने भाग लेने वाले कवियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र व उपहार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कला और साहित्य हमारे सामाजिक जीवन में स्नेहक का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कवि क्षितिज से परे कल्पना कर सकते हैं। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में जोगिंदर अंगोत्रा ने पिछले तेरह वर्षों की उपलब्धियों और पुस्तकालय की भविष्य की योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन उपाध्यक्ष बलवंत कटारिया ने किया और ओम कटारिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कटरा के ऋतिक मालगोत्रा ने पुस्तकालय को माइक्रोफोन और स्पीकर सहित साउंड सिस्टम दान किया।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ की बैठक

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ की बैठक में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल ने सरदार जितेंद्र पाल सिंह गागी प्रधान रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली को अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के राष्ट्रीय कार्यकारणी में राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया। दिनेश कुमार वत्स को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जितेंद्र पाल सिंह गागी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे मैं बखूबी निभाऊंगा। विश्वकर्मा समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ आपसी एकता का काम करूंगा, जिससे समाज का नाम ऊंचा हो। इस अवसर पर रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली के वाइस चेयरमैन बलविंदर मोहन संधू, वाइस चेयरमैन केवल सिंह गलशिन, लेखराज ,जगजीत सिंह वासन वाइस प्रेसिडेंट, मंजीत सिंह पनेसर वाइस प्रेसिडेंट, इंद्रजीत सिंह आदि ने भी विचार रखे।

शिक्षा से होगा बढ़ई समाज का विकास

धनबाद। झारखंड विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण समिति और शिव हनुमान विश्वकर्मा मंदिर समिति की बैठक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मंदिर परिसर में हुआ। मंदिर के संस्थापक द्वारकादास महाराज ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सर्वेश शर्मा, समाज के संरक्षक सुरेंद्र प्रसाद शर्मा, भगवान शर्मा, शिवनाथ शर्मा उपस्थित रहे। बच्चों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि मंदिर के सौंदर्यीकरण की अति आवश्यकता है। धर्मेंद्र शर्मा ने विश्वकर्मा समाज के बच्चों को शिक्षित करने पर जोर दिया। इस दौरान समिति के सक्रिय सदस्यों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में स्वास्थ्य जांच शिविर, नेत्र जांच शिविर व मेधावी छात्रों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्य रंजीत शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, राजेंद्र मिस्त्री, राजेंद्र मिस्त्री, वीरेंद्र शर्मा, रवि शर्मा, मुनेश्वर शर्मा, सतेंद्र शर्मा, भगवान शर्मा, सत्यानंद शर्मा, नीरज शर्मा, राम रूप शर्मा आदि शामिल रहे।

रामपाल धीमान विश्वकर्मा मंदिर सभा के प्रधान नियुक्त

अंबाला। श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा, कैथ मजारी, अंबाला शहर की सर्व साधारण सभा का आयोजन मंदिर प्रांगण में हुई। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने भाग लिया। सर्व साधारण सभा ने सर्वसम्मति से वर्तमान सभा के सचिव रामपाल धीमान को प्रधान चुन

लिया। प्रधान पद के साथ उपप्रधान अशोक कुमार, महासचिव गुरचरण धीमान, संयुक्त सचिव विधि चंद सौंडा, कोषाध्यक्ष मोहन लाल मनकू चुने गए। चुनाव प्रक्रिया विजय धीमान एडवोकेट की देखरेख में हुई। नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपस्थित सभी सदस्यों ने फूल माला पहना कर स्वागत किया।

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

अब
800 Gm
पाउच में उपलब्ध

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/-
टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED www.euro7000.com

प्रिंट में छपी बातों को आसानी से समझता है दिमाग

मुंबई। मोबाईल स्क्रीन पर चाहे दुनिया भर का कंटेंट उपलब्ध हो मगर आपका दिमाग इसे उस तरह नहीं पढ़ पाएगा जैसा वो प्रिंट में छपी बातों को पढ़ता है। पेपर में छपी सामग्री और विज्ञापन इंसानी दिमाग से आसानी से कनेक्ट हो पाते हैं। कनाडा पोस्ट की ओर से एक न्यूरोसाइंस रिसर्च के एक सर्वे में यह बात सामने आई है। कनाडा में हुई स्टडी में लोगों की आंखों की ट्रैकिंग की गई और दिमागी तरंगों को मापा गया। इसके अलावा कुछ सवालों के जवाब पूछे गए। इसके जरिए देखा गया कि लोग बात को कितनी आसानी से समझ पाए, उन्होंने कितना प्रेरित महसूस किया और कितना गौर किया। स्टडी के नतीजे बताते हैं कि संदेश जब चिट्ठी के जरिए भेजा गया तो उसे माप के पैमाने पर 1.31 का स्कोर मिला जबकि वही संदेश डिजिटल मीडिया से भेजा गया तो उसे 0.87 का स्कोर मिला। स्टडी की सबसे अहम बात यह रही कि पेपर में छपे विज्ञापन को देखकर दिमाग का वेंट्रल स्ट्रिएटम नाम का हिस्सा ज्यादा ऐक्टिव हुआ। वहीं डिजिटल कंटेंट दिखाने पर इसमें कम ऐक्टिविटी देखी गई। बता दें कि दिमाग का यह हिस्सा इंसान की इच्छा और चीजों को तोलने मोलने का संकेत देता है।

दुनिया का सबसे जहरीला पेड़

कुदरत की बनाई इस दुनिया में कई ऐसे पेड़ पौधे हैं जो अपनी अजीबोगरीब खूबियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक ऐसा ही पेड़ भी है, जो इतना जहरीला है कि इसे दुनिया का सबसे जहरीला पेड़ कहा जाता है। फ्लोरिडा और कैरेबियन सागर के तटों पर पाया जाने वाला मैशीनील पेड़ इतना जहरीला होता है कि अगर कोई इंसान इसके संपर्क में आ जाए तो उसके शरीर पर छाले पड़ जाते हैं। यूं तो इस पेड़ का हर हिस्सा जहरीला है, लेकिन इसका फल सबसे ज्यादा जहरीला माना जाता है। अगर कोई इंसान इस फल का एक टुकड़ा भी खा ले तो उसकी मौत हो सकती है। इसी कारण लोगों को इस पेड़ के संपर्क में आने और इसके फलों को खाने से रोकने के लिए पेड़ों के आस पास बोर्ड भी लगाए गए हैं। इस पेड़ की ऊंचाई लगभग 50 फीट तक होती है, इसकी पतियां चमकदार और आकार में अंडाकार होती है। यह पेड़ कैरिबियाई सागर के तटों पर पाया जाता है और मिट्टी के कटाव को रोकने में सहायक होता है।

पर्यटकों से गुलजार हुआ जम्मू-कश्मीर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर आने वाले लाखों पर्यटकों ने हिमालयी क्षेत्र में पर्यटन उद्योग में नई जान फूंक दी है। जीरो ऑक्यूपेंसी के होटलों में पूरी तरह से भीड़ देखी जा रही है और सरकार पर्यटकों की भारी आमद को समायोजित करने के लिए होम स्टे को प्रोत्साहित कर रही है। 1989 में जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित विद्रोह के बाद पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान हुआ था। इसने पर्यटन क्षेत्र को तबाह कर दिया था, क्योंकि कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आने लगी थी।

कश्मीर 1988 तक 7 लाख से पर्यटकों के साथ, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक था। 1989 में पाकिस्तान प्रायोजित उग्रवादी कश्मीर की सड़कों पर बंदूकों और हथगोले के साथ दिखाई दिए, जिसके कारण पर्यटकों ने घाटी को अलविदा कह दिया। 1990 और 1991 में 4,211 और 3,780 हिंसक घटनाएं दर्ज की गई, जिससे पर्यटकों के आगमन में 6,287 की कमी हुई, जो 1989 के बाद से 98 प्रतिशत कम रही। 1996 की शुरूआत में आठ साल के राज्यपाल शासन के बाद विधानसभा चुनाव हुए। 1998 में एक असैन्य सरकार के साथ कश्मीर में 1,00,000 से अधिक आगंतुक पहुंचे। चार साल बाद 13 दिसंबर, 2001 में संसद पर हमले के बाद भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे। इसी साल जम्मू-कश्मीर में सितंबर में हुए विधानसभा चुनाव भी हिंसा से प्रभावित हुए थे। नतीजतन 2002 में पर्यटकों की आमद में तेजी से गिरावट आई, जो गिरकर 27,356 हो गई। जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पर्यटन को गिरने की कगार पर धकेल दिया गया। यहां तक कि होटलों में 70 प्रतिशत तक की छूट की पेशकश के साथ, अधिभोग दर एक समय में 5 प्रतिशत से कम थी। डल झील, निगीन झील और झेलम नदी पर हाउसबोटों में 1-2 प्रतिशत तक की व्यस्तता थी। 5 अगस्त, 2019 को केंद्र ने जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने के अपने निर्णय की घोषणा की और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। निंदकों ने भविष्यवाणी की कि कश्मीर जल जाएगा और कोई भी घाटी का दौरा नहीं करेगा, लेकिन समय ने उन्हें गलत साबित कर दिया है, क्योंकि तब से कश्मीर में भरपूर पर्यटन सीजन देखा जा रहा है। कोविड 19 महामारी के प्रकोप के बावजूद, कश्मीर में 2020 में 41,267 पर्यटक आए। जैसे-जैसे वायरस कमजोर होता गया, कश्मीर आने वाले पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ गई।

तापड़िया®
AN ISO-9001 CO.

लीजिए "तापड़िया" के औजार
और अनुभव कीजिए हाथों में शक्ति
प्रत्येक व्यक्ति को हैण्ड टूल्स की आवश्यकता होती है।

"तापड़िया" औजार चलें जीवन भर
औजार मानव के हाथ का विस्तार हैं।

Ask For Other Quality Hand Tools From Taparia Like Line Tester, Tin Cutter, Cable Cutter, Bolt Cutter, Socket Sets, Hacksaw Blades & Non-Sparking Tools Etc...

TAPARIA

Head Office :- 423/424, A-2, Shah & Nahar, Lower Parel (W), Mumbai - 400013. | Tel: 022 - 6147 8646
E-mail: sales@tapariatools.com | Visit us at www.tapariatools.com
Works: 52-B, M.I.D.C., Satpur, Nashik - 422007 | Tel: 0253 - 2350 317
E-mail: nashik@tapariatools.com | CIN : L99999MH1965PLC013392

AN ISO 9001 COMPANY

TJM/TTL/22/HIN

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

पंडित नेहरू ने फहराया तिरंगा

भारत के लिए 15 अगस्त 1947 का दिन सबसे खूबसूरत दिन था। इस दिन हर एक भारतवासी ने अंग्रेजों की हुकूमत से आजादी पायी थी और हर एक व्यक्ति आजाद भारत के खुली हवा में बिना किसी डर व खौफ के सांस ले रहा था। आजादी की इस लड़ाई में देश ने अपने कई वीर सपूतों और बलिदानियों को भी खोया था। 14 अगस्त की रात को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भारत की आजादी की घोषणा की थी। 15 अगस्त 1947 की सुबह जवाहर लाल नेहरू ने दिल्ली में स्थित लाल किले के लाहोरी गेट पर पहली बार भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया था।

बिस्मिल्लाह खान ने बजाई शहनाई – जवाहर लाल नेहरू की इच्छा थी कि शहनाईवादक बिस्मिल्लाह खान को आजादी के इस उत्सव में आमंत्रित किया जाएं। क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू को बिस्मिल्लाह खां के

राग सुनना बहुत पसंद थे। इसलिए बिस्मिल्लाह खां को दिल्ली बुलाया गया और आजाद भारत में पहली किरण का स्वागत बिस्मिल्लाह खान की शहनाई की धुन पर किया गया था। इसके बाद फिर जवाहर लाल नेहरू ने तिरंगा फहराया था।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा – तीन रंगों से सजा राष्ट्रध्वज सिर्फ झंडा भर नहीं, बल्कि भारत की आन बान और शान है। यह 130 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के साहस, शौर्य, अभिमान, आकांक्षाओं और पवित्रता का प्रतीक भी है। लेकिन सबसे पहले ध्वज का स्वरूप ऐसा नहीं था। समय समय पर इसमें कई बदलाव हुए हैं। आज हम जिस तिरंगे को मूल रूप में

देखते हैं, उसके जनक पिंगली वेंकैया हैं। 2 अगस्त 1876 को आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले के पास एक गांव में जन्मे पिंगली वेंकैया को राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण का जिम्मा खुद महात्मा गांधी ने सौंपा था। 1921 में उन्होंने ध्वज तैयार किया। वर्ष 1931 में इसमें कुछ संशोधन किए गए। 22 जुलाई 1947 को भारत का राष्ट्रीय ध्वज मूल रूप में स्वीकार किया गया।

राष्ट्रगान को 1950 में मिला दर्जा – 15 अगस्त के दिन भारत के अलावा कई और भी देशों को आजादी मिली थी। जिसमें साउथ कोरिया, नार्थ कोरिया, बहरीन आदि देश शामिल हैं। लार्ड माउंटबेटन ने ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में 15 अगस्त का दिन चुना था। आजादी के एक दिन बाद लाल किले पर तिरंगा फहराया गया था, क्योंकि उससे पहले तिरंगे के स्थान को लेकर उलझन बनी हुई थी। जब भारत आजाद हुआ था उस समय देश का कोई राष्ट्रगान नहीं था। क्योंकि जन गण मन को राष्ट्रगान को दर्जा 1950 में मिला था। लेकिन उस समय जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिया गया भाषण ही लोगों के लिए राष्ट्रगान के समान था।

आजादी के 14 वर्ष बाद आजाद हुआ गोवा

आजादी के अमृत महोत्सव में जहां पूरा देश इसके जश्न के लिए तैयारियों में जुटा हुआ है। आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान से लेकर सोशल मीडिया पर भी आजादी का उत्सव मनाया जा रहा है। लेकिन देश का एक राज्य ऐसा भी है जहां 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता है। आजाद भारत का गोवा ऐसा राज्य है जहां स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता है।

15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजों की हुकूमत से पूर्ण रूप से आजाद हो गया था। लेकिन गोवा वह राज्य था जिस पर भारत की आजादी के बाद भी पुर्तगालियों का शासन बरकरार था। इसलिए गोवा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाता है। गोवा पर पुर्तगालियों ने 400 साल राज किया था और भारत को आजादी मिलने के बाद गोवा 14 वर्ष बाद यानी कि 1961 में गोवा पुर्तगालियों की हुकूमत से आजाद हुआ था। वर्ष 1510 में अलफांसो-द-अल्बुकर्क के नेतृत्व में पुर्तगालियों ने गोवा पर हमला बोला था। जिसके बाद से ही गोवा पुर्तगालियों के कब्जे में आ गया था।

भारत सरकार ने कई बार गोवा को पुर्तगालियों से मुक्त कराने का प्रयास भी किया लेकिन पुर्तगालियों ने गोवा छोड़ने से मना कर दिया। भारत ने आजाद होने के बाद गोवा की आजादी का प्रयास लगातार जारी रखा। लेकिन पुर्तगालियों ने हर बार देश छोड़ने से मना ही किया। इसके अलावा पुर्तगाली सरकार के साथ भारत की सरकार का हर प्रयास फेल होता रहा। लेकिन बाद में भारत सरकार ने गोवा को आजाद कराने के लिए हवाई हमले की तैयारी की और थल सेना को भी लड़ाई के लिए तैयार कर दिया। इस लड़ाई का प्रयास सफल रहा और 19 दिसंबर 1961 में गोवा पुर्तगाली सरकार से आजाद हो गया। इसलिए गोवा अपना स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को नहीं बल्कि 19 दिसंबर को मनाता है।

गोवा को मसाला व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जगह माना जाता था और मसालों के कारोबार से पुर्तगालियों को बहुत मुनाफा भी होता था। इसलिए उन्होंने गोवा पर अपना राज इतने लम्बे समय तक बरकरार रखा।

स्वास्थ्य

परवल : कब्ज की समस्या से दिलाए राहत

परवल कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। परवल के गुणों की बात करें तो यह आयुर्वेदिक सब्जियों की श्रेणी में आता है। इसमें बहुत से विटामिंस, मिनिरल्स पाए जाते हैं जो इसे सेहत के लिए बहुत ही उपयोगी बना देते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन बी1, बी2, विटामिन सी, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्निशियम, फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों को भी मजबूत करने में मददगार है।

परवल खून को साफ करने के अलावा मूत्र संबंधी समस्याओं और मधुमेह के इलाज में कारगर है। इसके अलावा कब्ज, स्किन प्रॉब्लम, पाचन संबंधित प्रॉब्लम, एजिंग, पीलिया आदि के नियंत्रण में भी मदद करता है। परवल में सर्दी को रोकने और ठीक करने की क्षमता से लेकर लीवर के पीलिया को ठीक करने की ताकत है।

परवल के सेवन से कब्ज की समस्या में राहत मिलती है। परवल फाइबर से भरपूर होने के चलते कब्ज में फायदेमंद है। परवल में एंटी-एजिंग गुण होते हैं। इसके साथ ही इसमें अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए और सी होते हैं। ये पोषक तत्व उन मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को प्रोत्साहित करते हैं। परवल खून को साफ करने में मदद मिलती है। शरीर को कई गंभीर बीमारियों से मुक्त रखने के लिए रक्त का शुद्धिकरण जरूरी होता है। परवल में मौजूद औषधीय गुण खून में बढ़े ग्लूकोज की मात्रा को कंट्रोल करने का काम करता है। परवल डायबिटीज मरीजों के लिए लाभकारी है।

जायका इंडिया का

मालवा की दाल-बाटी

मध्यप्रदेश के मालवा इलाके में दाल-बाटी खासतौर पर बनाई जाती है। ये डिश जितनी पारंपरिक है उतनी ही लाजवाब भी है। सामान्य खाने की तुलना में दाल-बाटी को बनाने में ज्यादा वक्त लगता है, लेकिन जब यह बनकर तैयार हो जाती है और फिर इसका स्वाद लिया जाता है तो उसका मजा ही कुछ अलग होता है। दाल-बाटी बनाने के तरीके में थोड़ा सा बदलाव कर दाल बाफला भी तैयार किया जाता है।

सामग्री – गेंहू आटा 500 ग्राम, सूजी 125 ग्राम, देसी घी 150 ग्राम, बेकिंग सोड़ा आधा चम्मच, अजवायन आधा चम्मच, नमक स्वादानुसार

विधि – बाटी बनाने के लिए सबसे पहले एक गहरे तले वाला बड़ा बर्तन लें। अब उसमें गेहूं का आटा और सूजी को मिला दें। अगर मक्का पसंद है तो बाटी के आटे में थोड़ा मक्के का आटा भी मिलाया जा सकता है। अब इसमें 3 चम्मच देसी घी डालकर आटे में अच्छी तरह से मिला दें। फिर इसमें अजवायन और स्वादनुसार नमक मिलाएं। जब यह मिश्रण अच्छी तरह से मिल जाए तो गुनगुने पानी से इसे गूंथ लें। आटे को थोड़ा सख्त गूंथे जैसा आमतौर पर पुड़ी के आटे के लिए किया जाता है। अब गुंथे हुए आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दें ताकि आटा फूलकर अच्छी तरह से सैट हो जाए। इसके बाद अब आटे को तेल के हाथ से अच्छी तरह से मसल लें और उसे चिकना कर दें। इस गुंथे आटे को समान अनुपात में तोड़कर मध्यम आकार के गोले बना लें। इन्हें बाटी का शेप दे दें। बाटी को सेंकने के लिए दो तरीके अपनाए जा सकते हैं। इसे कंडे या तंदूर में सेंका जा सकता है। बाटियों को सेंकने के लिए ओवन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। बाटियों को तब तक सेंके जब तक कि दोनों तरफ से बाटी गोल्डन ब्राउन न हो जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा। *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

पुष्पा 2 में नजर आएंगी प्रियामणि

फिल्म पुष्पा 2 की कास्ट में अब एक बड़ा नाम जुड़ने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो नेशनल अवार्ड विजेता अभिनेत्री प्रियामणि ने फिल्म पुष्पा साइन कर ली है। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनका रोल काफी अहम होगा। फिल्म में प्रियामणि विजय सेतुपति की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि प्रियामणि ने स्क्रिप्ट सुनी है और अपने किरदार के लिए तैयार हैं।

फिल्म निमार्ताओं ने पुष्पा पार्ट 2 में विजय सेतुपति को एक अहम किरदार के लिए अप्रोच किया है। विजय पुष्पा के पहले पार्ट का हिस्सा बनने जा रहे थे लेकिन डेट्स की समस्याओं की वजह से ऐसा नहीं हो सका था। विजय फिल्म में फारेस्ट अधिकारी के किरदार में दिखेंगे। निमार्ता वाई रवि शंकर ने कहा कि अभी तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्राइक चल रही है। अगस्त के अंत तक स्ट्राइक के खत्म होने की संभावना है। जिसके बाद हम फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। पुष्पा पार्ट 2 में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना उसी किरदार में नजर आएंगे। हिंदी के अलावा तेलुगू भाषा मे रिलीज हुई फिल्म पुष्पा साल 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

स्टाइलिश कटरीना

कटरीना कैफ बॉलीवुड की मोस्ट पॉप्युलर एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने लुक से सुर्खियों में बनी रहती हैं। पार्टी हो या कैजुएल कटरीना का हर स्टाइल उनके फैंस को पसंद आता है। अब कटरीना मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। जहां वे ब्लू और व्हाइट के परफेक्ट कॉम्बिनेशन में नजर आईं। एक्ट्रेस के इस कूल लुक के लिए फैंस उनकी तारीफें कर रहे हैं। कटरीना कैफ को एयरपोर्ट पर छोड़ने उनके साथ हबी विक्की कौशल भी आए। हालांकि, वे कार से बाहर तो नहीं निकले, लेकिन पैपराजी के कैमरे ने उन्हें कैप्चर कर लिया। कटरीना रियल लाइफ में कम्फर्टेबल और सिंपल लुक के लिए जानी जाती हैं। एयरपोर्ट पर भी वे कॉम्फी लुक में नजर आईं। एक्ट्रेस ने व्हाइट शर्ट और व्हाइट ट्राउजर के साथ ब्लू डेनिम जैकेट को स्टाइल किया। इसके साथ ही उन्होंने व्हाइट स्नीकर्स कैरी किया और पोनीटेल हेयर स्टाइल में बिल्कुल बार्बी जैसी लग रही थीं। बता दें कि कटरीना कैफ और विक्की कौशल हाल ही में एक्ट्रेस का बर्थडे सेलिब्रेट करने मालदीव गए थे। यहां उनके साथ कुछ दोस्त और फैमिली मेंबर्स भी थे। इस वेकेशन की कटरीना और विक्की ने कई सारी तस्वीरें भी शेयर की थीं।

एरिका भी हुई टॉपलेस

रणवीर सिंह के न्यूड फोटोशूट के बाद हर तरफ उनकी ही चर्चा है। हालांकि इस वजह से उन पर एफआईआर भी दर्ज की गई और अश्लीलता फैलाने का आरोप लगा। दूसरी ओर ग्लैमर जगत के कई सितारे दिखे जिन्होंने खुलकर रणवीर का सपोर्ट किया। इनमें विद्या बालन, जान्हवी कपूर, स्वरा भास्कर, करीना कपूर सहित सेलिब्रिटीज हैं। यही नहीं विदेशी सेलिब्रिटीज ने भी रणवीर का सपोर्ट किया। तो कुछ ने रणवीर से प्रेरित होकर अपनी न्यूड तस्वीरों को शेयर किया। इस बीच अब खतरों के खिलाड़ी फेम एरिका पैकर्ड ने अपनी एक टॉपलेस तस्वीर को पोस्ट किया। एरिका एक पॉपुलर सुपरमॉडल हैं। वह रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी में नजर आई थी। शो में उनका सफर लंबा नहीं रहा और पहले हफ्ते ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा। एरिका ने जो लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है उसमें वह टॉपलेस होकर बैठी हुई है और अपने ब्रेस्ट को हाथों से ढका है। साथ ही उन्होंने जींस पहना है।

बिंदास कंगना फिर भड़कीं

कंगना रनौत अपने मन की बात बिंदास होकर बोलती हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वीडियो क्लिप्स शेयर की है। इसमें वह कह रही है कि खुद पर हमेशा भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि दूसरों की राय आपके बारे में हमेशा बदलती रहती है। कंगना कहती है कि शुरूआत में उन्हें लोगों ने नकार दिया था, जैसे वह कुछ है ही नहीं। लेकिन कंगना को पता था कि वह क्या है। इसके बाद कंगना ने पोस्ट में लिखा है कि मुझे मजाक उड़ाने वाले या कोई गलत करता है तो ऐसे लोग पसंद नहीं हैं। उन लोगों की नजर से खुद को देखना सही नहीं है जो आपकी तारीफ नहीं कर सकते और आलोचना करते हैं और जब आप आगे बढ़ें तो उनको शर्मिंदा करके मजा लेने का मौका न छोड़ें। आखिरकार हंसी के बिना भी कोई जिंदगी है। जो लोग आपकी जिंदगी में विलन बनना चाहते हैं उन्होंने कॉमेडियन बना दें...यह बढ़िया कहानी बनेगी।

प्रिया ने दिखाया अपना सिंगिंग टैलेंट

आंख मारकर सोशल मीडिया पर धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस सोशल मीडिया स्टार प्रिया प्रकाश वारियर एक बार फिर चर्चा में है। एक बार फिर प्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, लेकिन इस बार उनका आंख मारने वाला वीडियो नहीं बल्कि उनके नए टैलेंट ने फैंस को दीवाना बना दिया है। प्रिया ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह फिल्म ब्रह्मास्त्र का केसरिया गाना गा रही है। प्रिया काफी शानदार गा रही है और उसने इस वीडियो को शेयर करते हुए फिल्म की टीम अयान मुखर्जी, अरिजीत सिंह, आलिया भट्ट और धर्मा मूवीज को भी टैग किया है। प्रिया के फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं। सभी कह रहे हैं कि वह जितनी शानदार एक्ट्रेस हैं, उतनी ही जबरदस्त सिंगर भी हैं, कोई कमेंट कर रहा है कि अब उन्हें सिंगिंग प्रोजेक्ट भी साइन करने चाहिए। वैसे प्रिया अब बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखने वाली है। वह श्रीदेवी बंग्लो में नजर आने वाली है। फिल्म में प्रिया के साथ प्रियांषु चटर्जी और अरबाज खान है।

उर्फी जावेद ने ढाया कहर

उर्फी का फैशन सेंस खूब खबरों में रहता है और कभी वो इसके लिए वाहवाही लूटती हैं तो कभी ट्रोल होती हैं। उर्फी जावेद जब भी घर से निकलती है तो चर्चा में आ जाती हैं। उर्फी जावेद के फोटोज वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते हैं। उर्फी जावेद एक बार फिर अपने अनोखे ड्रेसिंग सेंस से खलबली मचा दिया है। उर्फी जावेद पीले कलर की ड्रेस में लोगों के सामने आई है। उर्फी जावेद के इस लेटेस्ट लुक पर फैंस खूब रिएक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस की सोशल मीडिया यूजर्स जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल वीडियो में उर्फी सभी पैपराजी के लिए बर्गर लाती और देती दिख रही हैं। इस वजह से फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं कि वो हमेशा ही सभी का ख्याल रखती हैं और सभी के साथ बहुत प्यार से पेश आती हैं। उर्फी जावेद ने इससे पहले अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थी। इन तस्वीरों में उर्फी ने सिर्फ जींस पहनी हुई थी, जबकि शरीर के ऊपरी हिस्से को उन्होंने अपने लंबे बालों से ढका हुआ था। 4 अगस्त को उर्फी ने ये तस्वीरें शेयर की जो तेजी से वायरल हुई थी।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स
कारीगरी
मेरी वाली
क्वालिटी
ओजोन वाली
हम सब
संभाल लेंगे
कटलरी ऑर्गनाइज़र
एर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम
मैजिक कॉर्नर यूनिट
हैवी ड्यूटी बाई-फोल्ड
लिफ्ट-अप सिस्टम
किचन फिटिंग्स की
जानकारी के लिए,
संपर्क करें:
09310012300